रणजीत टाइम्स

इंदौर

गुरुवार, 27 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 295 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

‘नर्मदा प्रवाह यूनिटी मार्च’ का ऐतिहासिक शुभारंभ. मुख्यमंत्री मोहन यादव रथ पर सवार होकर बने यात्रा का हिस्सा

इंदौर। बुधवार का दिन ऐतिहासिक रहा, जब लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित ‘नर्मदा प्रवाह यूनिटी मार्च’ का भव्य और अनूठा शुभारंभ देखने को मिला। छोटी ग्वालटोली में स्थित सरदार पटेल की प्रतिमा पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने माल्यार्पण कर इस राष्ट्रीय एकता यात्रा का औपचारिक उद्घाटन किया। जैसे ही उन्होंने हरी झंडी दिखाई, पूरा वातावरण उत्साह और देशभक्ति के भाव से भर गया।

इसके तुरंत बाद मुख्यमंत्री अपने कैबिनेट सहयोगियों के साथ भव्य रथ पर सवार होकर स्वयं भी यात्रा का हिस्सा बने, जिससे कार्यक्रम की भव्यता और बढ़ गई। यह यात्रा नागपुर से इंदौर होते हुए गुजरात की ओर बढ़ रही है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सामाजिक सौहार्द का संदेश पहुंचाना है। मुख्यमंत्री मोहन यादव एयरपोर्ट से सीधे कार्यक्रम स्थल पहुंचे, जहां हजारों नागरिकों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विश्वास सारंग, तुलसी सिलावट सहित कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में इस यात्रा को देश की एकता और भाईचारे के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह यूनिटी मार्च नागपुर से शुरू होकर इंदौर, धार और झाबुआ जिलों से होते हुए अंततः गुजरात के गोधरा

में प्रवेश करेगा। इस यात्रा की सबसे खास बात यह है कि इसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 350 धावक हिस्सा ले रहे हैं। ये धावक नागपुर से लेकर गुजरात तक लगातार दौड़ते हुए राष्ट्रीय एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाएंगे। यह दौड़ एकता, समर्पण और देशभक्ति की मिसाल के रूप में इतिहास में दर्ज की जाएगी। इंदौर शहर ने इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। यात्रा मार्ग पर 300 से अधिक स्वागत मंच तैयार किए गए हैं, जहां धावकों और मुख्य अतिथियों का पूरे हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया जाएगा। इन मंचों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, लोक नृत्यों, ढोल-ताशों और देशभक्ति गीतों के माध्यम से यात्रा को और अधिक आकर्षक बनाया गया है। साथ ही शहर के कई स्थानों पर सरदार पटेल के जीवन से जुड़ी चित्र प्रदर्शनी लगाई गई है, जिससे युवा पीढ़ी को उनके संघर्ष और योगदान से परिचित कराया जा सके।

सीहोर के VIT College में 4 हजार से ज्यादा छात्रों ने मचाया उत्पात, गाड़ियों में तोड़फोड़ कर लगाई आग

सीहोर। आष्टा के ग्राम कोठरी स्थित वीआईटी कॉलेज में देर रात उस समय हालात बिगड़ गए जब हजारों छात्रों ने हॉस्टल में मिल रहे घटिया भोजन और दूषित पेयजल को लेकर ज़ोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया। स्थिति इतनी विस्फोटक हो गई कि छात्रों ने कॉलेज परिसर में जमकर तोड़फोड़ और आगजनी कर दी। विरोध के दौरान एक बस, दो चारपहिया वाहन, एक एम्बुलेंस, आरओ प्लांट, हॉस्टल की खिड़कियों के शीशे और परिसर की कई संपत्तियों को भारी नुकसान पहुचा।चार हजार से अधिक छात्र विरोध में उतरे, पुलिस ने मोर्चा संभाला घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन हरकत में आया और एसडीएम, एसडीओपी आष्टा सहित आष्टा, जावर, पार्वती और कोतवाली सहित आसपास के थानों से पुलिस बल तुरंत मौके पर भेजा गया। अधिकारियों ने छात्रों से बात कर माहौल शांत कराया। एसडीओपी आकाश अमलकर ने बताया कि वर्तमान में कॉलेज एवं हॉस्टल परिसर पूर्णतः शांत और नियंत्रण में है। पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। भोजन-पानी की गुणवत्ता पर बड़ा आरोप, कई छात्र पीलिया से पीड़ित छात्रों ने आरोप लगाया कि हॉस्टल में दिया जाने वाला पानी और खाना बेहद खराब गुणवत्ता का है।

प्रोजेक्ट फिर संकट में. अंडरग्राउंड रूट, हाईकोर्ट याचिका और उज्जैन-पीथमपुर कनेक्टिविटी के बीच बड़े फैसलों का इंतजार

इंदौर। इंदौर मेट्रो प्रोजेक्ट एक बार फिर कई स्तरों पर उलझनों में फंस गया है। शहर के सुपर कॉरिडोर से लेकर रेडिसन और खजराना चौराहा तक एलिवेटेड कॉरिडोर का काम जारी है, जबकि एयरपोर्ट क्षेत्र से अंडरग्राउंड रूट के निर्माण की तैयारी की जा रही है। हालांकि एयरपोर्ट प्रबंधन और मेट्रो अधिकारियों के बीच तकनीकी और समन्वय संबंधी दिक्कतें अब भी बनी हुई हैं।

इसी बीच हाईकोर्ट में दायर याचिका के कारण प्रोजेक्ट कानूनी जटिलताओं में उलझ गया है, जिसकी अगली सुनवाई दिसंबर में तय की गई है। कलेक्टर शिवम वर्मा ने हाल ही में एयरपोर्ट प्रबंधन और मेट्रो कॉर्पोरेशन के अधिकारियों से चर्चा की थी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि एयरपोर्ट विस्तार और मेट्रो निर्माण को साथ-साथ आगे बढ़ाने के लिए एमओयू साइन होना आवश्यक है। एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि मेट्रो कॉर्पोरेशन ने अब तक अपनी विस्तृत योजना प्रस्तुत नहीं की है, इसी वजह से एयरपोर्ट विस्तार-जिसमें पार्किंग और अन्य सुविधाओं का विस्तार शामिल है-भी प्रभावित हो रहा है।

अंडरग्राउंड रूट पलासिया और एमजी रोड

वाले हिस्से में तकनीकी पेच के चलते अटका हुआ है। इसी वजह से मेट्रो कॉर्पोरेशन ने एयरपोर्ट से गांधी नगर तक के हिस्से और एयरपोर्ट से रामचंद्र नगर, बड़ा गणपति, राजवाड़ा, एमजी रोड और पलासिया तक लगभग साढ़े 8 किलोमीटर लंबे अंडरग्राउंड सेक्शन पर काम करने की योजना बनाई है। लेकिन विभागीय मंत्री ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए संशोधन के निर्देश दिए थे। शासन स्तर पर रूट में बदलाव को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है, क्योंकि प्रस्तावित संशोधन से लागत 900 करोड़ रुपये से अधिक बढ़ने की आशंका है। इसी बीच इंदौर-उज्जैन मेट्रो कनेक्टिविटी का प्रस्ताव भी लम्बित पड़ा है, जिसकी अनुमानित लागत करीब 10 हजार करोड़ रुपये बताई गई है। वहीं औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर तक मेट्रो ले जाने की मांग, साथ ही देवास और धार जैसे शहरों को जोड़ने के सुझाव लगातार बढ़ रहे हैं। दिल्ली मेट्रो कॉर्पोरेशन डीपीआर तैयार कर रहा है और इसके तहत नया प्रस्ताव सामने आया है कि लवकुश चौराहा से मरीमाता, बड़ा गणपति और वहां से राजेंद्र नगर तक अंडरग्राउंड रूट बनाया जाए, जबकि राजेंद्र नगर से पीथमपुर तक एलिवेटेड कॉरिडोर बनाया जाए।

हालांकि इन विस्तारित योजनाओं पर अंतिम निर्णय केंद्र सरकार की मंजूरी पर निर्भर है। फिलहाल सबसे बड़ी बाधा इंदौर शहर के मौजूदा मेट्रो प्रोजेक्ट में ही सामने आ रही है, क्योंकि अंडरग्राउंड रूट को लेकर उठे विवाद को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है। पूर्व में हाईकोर्ट ने मेट्रो रूट के समर्थन में अपना रुख स्पष्ट किया था और परिसर की जमीन भी उपलब्ध कराने की सहमति दी थी। अब इस नई याचिका पर अदालत क्या रुख अपनाएगी, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। इंदौर की मेट्रो योजना, जो शहर के भविष्य के यातायात ढांचे की रीढ़ मानी जा रही थी, फिलहाल प्रशासनिक, तकनीकी, कानूनी और वित्तीय जटिलताओं के बीच अटकी हुई है। आने वाले निर्णय ही तय करेंगे कि यह परियोजना गति पकड़ेगी या और अधिक देरी का सामना करेगी।

हिंदूवादी छवि को मिला सम्मान, तोमर बने मंडल अध्यक्ष-क्षेत्र में खुशी की लहर

राजेश धाकड़

इंदौर। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 4 अयोध्या में अपनी हिंदूवादी कार्यशैली, जमीनी सक्रियता और मजबूत संगठनात्मक पकड़ के लिए पहचाने जाने वाले राजेश सिंह तोमर को संगठन ने मंडल अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी सौंपी है। साधारण और गरीब परिवार में जन्मे तोमर की यह उपलब्धि क्षेत्र में चर्चा का प्रमुख विषय बनी हुई है। बताया जाता है कि ऋषि पैलेस क्षेत्र की घनी बस्ती में रहते हुए उन्होंने तमाम कठिनाइयों एवं संघर्षों का सामना करते हुए लगातार संगठनात्मक कार्यों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। उनकी मेहनत, समर्पण और लोगों के बीच मजबूत पकड़ ने ही उन्हें इस जिम्मेदार पद तक पहुँचाया है।

तोमर की हिंदुत्व मुद्दों पर सजगता और मुखर कार्यशैली उन्हें अक्सर सुर्खियों में रखती है। उनका संघ परिवार एवं हिंदूवादी संगठनों से लंबे समय से घनिष्ठ संबंध रहा है। द्वारिकापुरी थाना क्षेत्र में चर्चित लव जिहाद प्रकरण में भी उनका नाम चर्चा में आया था, जब एक आरोपी द्वारा उन पर

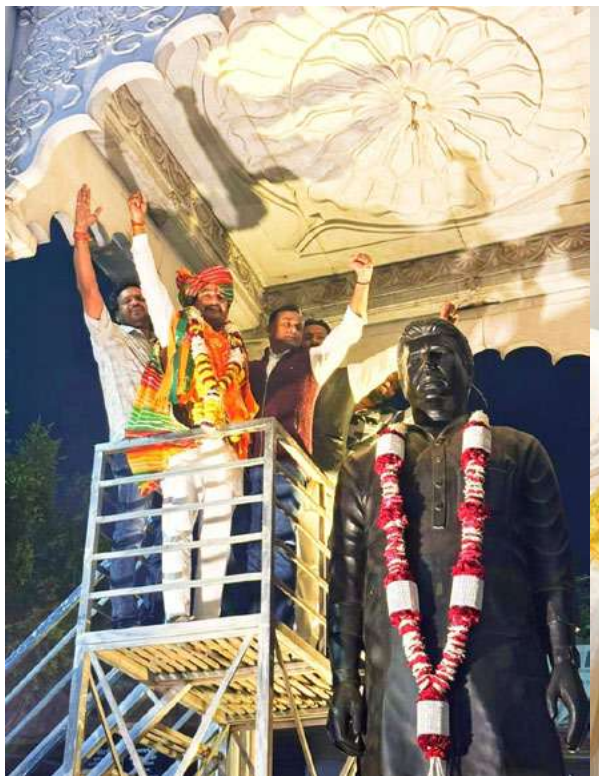

आरोप लगाते हुए जहर खाने की घटना सामने आई थी। उस समय भी वे क्षेत्रीय चर्चाओं का केंद्र बने रहे। राजेश तोमर कई लव जिहाद मामलों में हिंदूवादी कार्यकर्ताओं के साथ अग्रिम मोर्चे पर सक्रिय भूमिका निभाते दिखाई देते रहे हैं। क्षेत्रीय राजनीति का मानना है कि भविष्य में विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 4 में वे लक्ष्मण सिंह गोंड की विचारधारा और कार्यशैली को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण किरदार निभा सकते हैं। मंडल अध्यक्ष बनाए जाने की खबर जैसे ही क्षेत्र में फैली, तोमर के निवास पर समर्थकों और शुभचिंतकों का तांता लग गया। पूरे क्षेत्र में उत्साह का वातावरण बना हुआ है।

इधर, विधायक श्रीमती मालिनी गौड़ भी उनके निवास पहुंचीं, जहां उन्होंने तोमर को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हवाई पट्टी नर्सरी ग्राउंड में श्रीमद् भागवत कथा का तीसरा दिन अत्यंत भव्यता के साथ सम्पन्न

शिवपुरी। हवाई पट्टी स्थित नर्सरी ग्राउंड में कपिल मोटर्स के तत्वावधान में चल रहा श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव अपने चरम पर है। पूज्य गुरुदेव श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी के श्रीमुख से अमृतमयी कथा के तीसरे दिन आज आस्था का अतुलनीय सागर उमड़ पड़ा। ग्राउंड में लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने दिव्य वातावरण को और भी अलौकिक बना दिया। आज के कथा सत्र में गुरुदेव ने धर्म, भक्तिभाव और भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करते हुए जीवन में संस्कार और सदाचार के महत्व पर प्रकाश डाला। उनके मुखारविंद से निकले शब्दों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

विशेष रूप से, कथा में उपस्थित पत्रकार बंधुओं को मंच पर आमंत्रित कर उनके द्वारा श्रीमद् भागवत कथा की आरती करवाई गई, जिससे पूरे पंडाल में उत्साह और सम्मान का अद्भुत माहौल बना।

आज का कार्यक्रम

सुबह 9:00 बजे पूज्य श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री जी प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।दोपहर 12 बजे से दिव्य दरबार आयोजित होगा, जिसमें दूर-दूर से आए भक्तजन आशीर्वाद व समाधान प्राप्त कर सकेंगे। आयोजन समिति और कपिल मोटर्स द्वारा की गई व्यवस्थाएँ प्रशंसनीय रही हैं। विशाल भीड़ के बावजूद अनुशासन और शांति का वातावरण देखने को मिला। शिवपुरी में यह आध्यात्मिक महोत्सव आने वाले दिनों में और भी दिव्य रूप लेकर आगे बढ़ेगा। श्रद्धालुओं से अपील है कि वे आगामी कार्यक्रमों में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ प्राप्त करें।

परा आध्यात्मिक युग का सूत्रपात है सहजयोग

सहज योग परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणित एक ऐसा योग है जिसमें हमारे त्रिकोणाकार अस्थि में साढे तीन कुंडल में बैठी कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है, मध्य नाड़ी के माध्यम से उपर की ओर उठती है और छः चक्रों को संतुलित करते हुये सातवें चक्र सहस्त्रार चक्र का भेदन करती है, तब साधक आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करता है। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना सरल है, इसे पाने की पात्रता सिर्फ यही है कि हम इसे पाने की शुद्ध इच्छा करें। आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने की अनुभूति साधक को तत्क्षण हो जाती है, साधक यह महसूस भी करता है कि उसे ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश मिल चुका है। उसके बाद यह साधक की इच्छा पर निर्भर रहता है कि वह इस योग की गहनता प्राप्त करने हेतु कितना समर्पित हो सकता है। हम जितना ध्यान करेंगे, समर्पण भाव रखेंगे, उतनी हम गहनता पायेंगे। हम स्वयं को स्वस्थ रख पायेंगे और औरों को भी चैतन्य के माध्यम से स्वस्थ रख सकेंगे। भूतकाल खत्म हो चुका है, भविष्य मौजूद नहीं है अतः हमें वर्तमान का आनंद मनाना है, जो वास्तविकता है और यही सहज योग की विशेषता है।

सहज योग से जुड़ने के बाद हम जान पाते हैं कि परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी सहस्त्रार चक्र की स्वामिनी हैं। आदिशक्ति के रुप में अपने इस अवतरण में वे सभी दिव्य गुणों को अपने अंदर समन्वित की हुई है और सदैव मुख्य स्त्रोत के रुप में क्रियाशील रहती है। श्री माताजी का जन्म 21 मार्च, 1923 को छिंदवाड़ा, भारत में हुआ था। 5 मई 1970 को श्री माताजी ने भारत के नारगोल, गुजरात के समुद्र के किनारे बैठकर सामुहिक सहस्त्रार खोला। वे सच्चे साधकों को और अधिक भटकते देखना सहन नहीं कर पा रही थी। मानव को उत्थान प्राप्त हो, वे आध्यात्मिक उत्क्रांति पाये यही श्री माताजी का उद्देश्य था। एक साल बाद 1971 में श्री माताजी ने मुट्ठी भर लोगों से आत्मसाक्षात्कार देना शुरू किया और यहीं सहज योग का जन्म हुआ। लोगों को आध्यात्मिक जागृति देने के लिए श्री माताजी ने पूरे संसार का भ्रमण किया। श्री माताजी का यह कार्य समस्त सहज योगी के लिए वरदान रहा। हर सहज योगी के पुनर्जन्म का मार्ग खुल गया। सहस्त्रार चक्र के खुलते ही ईश्वरीय साम्राज्य में साधक प्रवेश पाता है। आत्मिक उत्थान

के लिए आवश्यक है कि साधक का सहस्त्रार चक्र खुला रखना है, पर यह कैसे संभव है? यह प्रश्न बहुत ही सहजता से साधक के मन में आता है।

"यह आसान है" इस संबंध में श्री माताजी कहती हैं, "आपको पूरी तरह से, पूर्ण रुप में मुझे समर्पित होना होगा। यदि आपको लगता है आपका सहस्त्रार अब तक नहीं खुला है, तब आपको क्षमा मांग लेनी है। आपको कहना है, ' यदि मैंने कुछ गलत किया है तो कृपया मुझे क्षमा कर दें, तब आप ठंडी चैतन्य लहरियां महसूस करेंगे। ' दरअसल सहस्त्रार चक्र नीचे के छः चक्रों का संयोजन है वह एक शून्य स्थान है, जिसके अगल बगल एक हजार नाड़ियां हैं। और जब कुंडलिनी शक्ति लिम्बिक क्षेत्र में प्रवेश करती है, तब ये नाड़ियां प्रकाशित हो जाती है और वो ज्वाला सी महसूस होती है, कोमल स्थिर ज्वाला, इंद्रधनुष के सात रंगों में और अंत में ज्वाला एकीकृत होती है, और स्फटिक की स्पष्ट ज्वाला सी बन जाती है। सभी सात चक्र स्फटिक की तरह स्पष्ट हो जाते हैं, ये जब सहस्त्रार में एकीकृत होते हैं तब सहस्त्रार प्रकाशित होता है।

सुंदर गुणों से मानव जीवन को प्रकाशित करने वाले सहज योग को समझने हेतु एक कदम उठाने की आवश्यकता है, हम सुख शांति से मालामाल हो जायेंगे। नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

रणजीत टाइम्स

खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

● मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले-रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी करना राज्य सरकार के लिए गर्व का विषय

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार युवाओं के चहुंमुखी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। खेल विभाग प्रदेश में खेल संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित कर रहा है। भारत की प्राचीन संस्कृति में खेल केवल मनोरंजन नहीं बल्कि अनुशासन, संतुलन और मानसिक दृढ़ता का माध्यम माने गए हैं। पुराने समय में नौकायन, तैराकी और जल प्रशिक्षण को सामरिक और शारीरिक दक्षता का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता था। वही परंपरा आज वॉटर स्पोर्ट्स के रूप में हमारे सामने है। इसमें तकनीक, सहन शक्ति और फोकस का वास्तविक परीक्षण होता है। राज्य सरकार के लिए रोइंग चैंपियनशिप की मेजबानी करना गर्व और आनंद का विषय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को भोपाल के बड़े तालाब स्थित बोट क्लब पर 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चैंपियनशिप के शुभारंभ की घोषणा की। उन्होंने चैंपियनशिप में शामिल 23 राज्यों के लगभग 500 खिलाड़ियों द्वारा देशभक्ति गीतों की धुनों पर प्रस्तुत मार्च पास्ट का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के आयोजन स्थल पहुंचने पर उन्हें कैप लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय सहित अधिकारी एवं खेल प्रेमी विशेष रूप से उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के

लिए बेहतर माहौल बना है। भारत अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार उपलब्धियां हासिल कर रहा है। मध्यप्रदेश ने वॉटर स्पोर्ट्स में एशियन गेम्स जैसे प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय मंच पर पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। इसी वर्ष हुए 38वें नेशनल गेम्स, खेलो इंडिया, वॉटर स्पोर्ट्स फेस्टीवल में भी प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोपाल में आयोजित चेंपियनशिप में शामिल होने आए विभिन्न राज्यों के खिलाड़ियों को मध्यप्रदेश की कला-संस्कृति और स्वाद से रू-ब-रू होते हुए भोपाल के आसपास स्थित पर्यटन स्थलों के भ्रमण के लिए भी प्रेरित किया। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि यह 4 दिवसीय रोइंग चैंपियनशिप, वॉटर स्पोर्ट्स के कुंभ के रूप में स्थापित होगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार खेल-खिलाड़ी और खेल मैदान को प्रोत्साहित करने के लिए संपूर्ण प्रदेश में प्रयास कर रही है। खेलों और खिलाड़ियों को आवश्यक प्रशिक्षण के संबंध में नॉलेज एक्सचेंज के लिए गतिविधियां संचालित की जा रही हैं।

संविधान दिवस पर....

संविधान 9 नई भाषाओं में जारी

● राष्ट्रपति ने कहा-तीन तलाक खत्म करना ऐतिहासिक कदम है

राष्ट्रपति बोलीं-जीएसटी से देश की आर्थिक एकता मजबूत हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद के सेंट्रल हॉल में बुधवार को 150 वां संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान को 9 नई भाषाओं मलयालम, मराठी, नेपाली, पंजाबी, बोडो, कश्मीरी, तेलुगु, ओडिया और असमिया में जारी किया। राष्ट्रपति ने कहा- संसद ने तीन तलाक जैसी सामाजिक बुराई को खत्म कर महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा और ऐतिहासिक कदम उठाया है। जीएसटी आजादी के बाद सबसे बड़ा टैक्स सुधार है, जिसने देश की आर्थिक एकता को मजबूत किया है। राष्ट्रपति ने बताया- अनुच्छेद

370 हटाने से देश की राजनीतिक एकता में आ रही बाधा दूर हुई। नारी शक्ति बंधन कानून महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की नई शुरुआत करेगा। इस दौरान उन्होंने संविधान की प्रस्तावना भी पढ़ी। दरअसल 26 नवंबर 1949 को भारत का संविधान बनकर तैयार हुआ था। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे शामिल हुए।

● **अंबेडकर संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे**- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा, संविधान दिवस के इस ऐतिहासिक अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। 26 नवंबर 1949 को इसी केंद्रीय कक्ष में संविधान सभा के सदस्यों ने भारत का संविधान तैयार करने का काम पूरा किया था। इसी दिन 'हम भारत के लोग' ने अपने संविधान को अपनाया। स्वतंत्रता मिलने के बाद संविधान सभा ने अंतरिम संसद का काम भी किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर, जो ड्राफ्टिंग कमेटी के चेयरमैन थे, हमारे संविधान के मुख्य निर्माताओं में से एक थे।

● **लोकसभा अध्यक्ष ने डॉ. राजेंद्र प्रसाद को श्रद्धांजलि दी**- लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने कहा कि इस पावन अवसर पर हम भारत की संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र प्रसाद, संविधान के शिल्पकार डॉ. भीमराव अंबेडकर और संविधान सभा के सभी सदस्यों को श्रद्धांजलि देते हैं। उनकी दूरदर्शिता, समझ और कड़ी मेहनत ने हमें ऐसा महान संविधान दिया, जो हर नागरिक को न्याय, समानता, बंधुत्व और सम्मान का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि यह केंद्रीय कक्ष वही पवित्र स्थान है, जहां लंबी बहस, चर्चा और विचार-विमर्श के बाद हमारा संविधान तैयार हुआ।

बिहार में ज्यादा वोटिंग लोकतंत्र के ताज में एक और 'कीमती हीरा' जोड़ने जैसा

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि 2024 में अनुच्छेद 370 हटने के बाद जम्मू-कश्मीर में हुए चुनावों में लोगों ने बड़ी संख्या में वोट डालकर दुनिया को फिर दिखा दिया कि भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था कितनी मजबूत है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुए बिहार चुनावों में भी भारी मतदान हुआ, खासकर महिलाओं ने रिकॉर्ड संख्या में वोट डाले। यह भारतीय लोकतंत्र के ताज में एक और कीमती हीरा जोड़ने जैसा है। उपराष्ट्रपति ने संविधान सभा की महिलाओं के योगदान की भी सराहना की और कहा कि उनका योगदान अतुलनीय और ऐतिहासिक था, जिसने भारतीय लोकतंत्र को और मजबूत आधार दिया। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि हमारा संविधान देश के महान नेताओं ने संविधान सभा में तैयार किया था।

कर्नाटक सीएम विवाद सोनिया, राहुल और मैं सुलझाएंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मुख्यमंत्री बदलने की अटकलों के बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को कहा कि पार्टी हाईकमान इस समस्या को सुलझा लेंगे, जरूरत पड़ने पर मध्यस्थता भी करेंगे। उन्होंने एजेंसी से बातचीत में कहा, वहां की जनता ही बता सकती है कि सरकार कैसा काम कर रही है। लेकिन मैं इतना जरूर कहूंगा कि मैं राहुल गांधी, सोनिया गांधी एक साथ बैठकर इस पर चर्चा करेंगे। इधर, कर्नाटक बीजेपी ने मंगलवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार का एआई वीडियो जारी किया। इसमें शिवकुमार लैपटॉप में ऑनलाइन मुख्यमंत्री कुर्सी खरीद रहे हैं, लेकिन जैसे ही वह इसे कार्ट में जोड़ते हैं, स्क्रीन पर आउट ऑफ स्टॉक लिखा आता है। साथ ही कैप्शन में लिखा-सीएम शिवकुमार अभी। उधर, कर्नाटक कांग्रेस के कई विधायकों ने कहा है कि नेतृत्व बदलना चाहिए।

खड़गे बोले-

वहां की जनता ही बता सकती है कि सरकार कैसा काम कर रही है

जो करना है करेंगे, पर डेरा खाली नहीं करेंगे

राबड़ी आवास पर नीतिश सरकार को आरजेडी का अल्टीमेटम

पटना (एजेंसी)। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री एवं राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी के सरकारी आवास बदले जाने पर सियासत गर्माई हुई है। अब आरजेडी ने नीतिश सरकार को अल्टीमेटम दे दिया है कि जो करना है करेंगे, लेकिन डेरा (10 सर्कुलर रोड स्थित राबड़ी आवास) खाली नहीं किया जाएगा। दरअसल, बीते 19 साल से यह बंगला राबड़ी को आवंटित था जिसमें लालू परिवार रहता आया है। हाल ही में राज्य में एनडीए की नई सरकार

के गठन के बाद उन्हें पटना के 39, हार्डिंग रोड स्थित नया सरकारी आवास अलॉट कर दिया गया है।

एनआईए का एक और ऐक्शन

अब नूंह से वकील गिरफ्तार

● रिजवान पर पाक के लिए जासूसी का है आरोप, पूछताछ जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चंडीगढ़ दिल्ली ब्लास्ट की जांच अभी चल ही रही थी कि एनआईए का एक और तगड़ा ऐक्शन सामने आया है। एनआईए और पुलिस ने पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में हरियाणा के नूंह जिले से एक वकील को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान तावडू खंड के गांव खरखड़ी के रहने वाले रिजवान पुत्र जुबेर के रूप में हुई है। रिजवान गुरुग्राम कोर्ट में प्रैक्टिस करता है। सूत्रों के मुताबिक रिजवान का एक साथी वकील भी हिरासत

में लिया गया है, जिससे पूछताछ जारी है। रिजवान पर आरोप है कि उसने पाकिस्तान में कुछ लोगों से ऑनलाइन संपर्क किया और संदिग्ध वित्तीय लेन-देन किया। जांच एजेंसियों को जब इसकी भनक लगी तो छानबीन शुरू हुई। रिजवान के मोबाइल में वॉट्सऐप चैट, कॉल डिटेल और अन्य डिजिटल साक्ष्य मिले, जिनके आधार पर उसे हिरासत में लिया गया। रिजवान के परिवार के कुछ लोग बंटवारे के समय पाकिस्तान चले गए थे।

इसके बाद से रिजवान और इसके परिवार का पाकिस्तान आना-जाना लगा रहता है। रिजवान भी पाकिस्तान जा चुका है। इसके बाद वह पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संपर्क में आ गया। जांच एजेंसी अब आरोपी रिजवान से पूछताछ कर रही है।

जी-20 शिखर सम्मेलन में मोदी के सुझावों की रोशनी

जी-20 शिखर सम्मेलन का उद्घाटन सत्र इस बार जिस गंभीर मुद्दे पर केन्द्रित रहा, वह दुनिया के सामने उभरते खतरों की बदलती प्रकृति को स्पष्ट करता है। भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने आतंकवाद के साथ-साथ ड्रग तस्करी को भी वैश्विक शांति, सुरक्षा और मानव अस्तित्व के लिए उतना ही घातक बताया जितना किसी संगठित हिंसा को माना जाता है। उनकी यह चेतावनी केवल कूटनीतिक वक्तव्य नहीं बल्कि बढ़ती वैश्विक वास्तविकताओं का सटीक विश्लेषण है। यह तथ्य अब निर्विवाद है कि मादक पदार्थों की तस्करी आतंकवाद को ईंधन प्रदान करने वाला सबसे बड़ा स्त्रोत बन चुकी है। अरबों डॉलर का यह अवैध व्यापार केवल अपराध जगत को नहीं बल्कि राष्ट्रों की सुरक्षा, समाज की स्थिरता और युवाओं के भविष्य को भी चूर-चूर कर रहा है।

रणजीत टाइम्स

मोदी ने अपने संबोधन में साफ कहा कि दुनिया के बड़े राष्ट्रों को ड्रग-माफिया और उसके आतंकवाद से जुड़े वित्तीय नेटवर्क के खिलाफ एकजुट होकर निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। दुनिया आज जिस गति से नए-नए मादक पदार्थों के जाल में फंसती जा रही है, वह वैश्विक चिंता और भी बढ़ाता है। फेंटानाइल जैसे अत्यंत खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स ने अमेरिका में स्वास्थ्य-संकट की भयावह स्थिति पैदा कर दी है, जहां प्रतिदिन अनेक लोग इसके कारण जान गंवा रहे हैं। यह संकट किसी एक देश की समस्या नहीं, बल्कि मानव जीवन पर मंडरा रहा एक वैश्विक खतरा है। यह मानना भूल होगी कि ऐसे ड्रग्स केवल एक महाद्वीप तक सीमित रह सकते हैं; संगठित तस्करी के नेटवर्क इसकी पहुंच दुनिया के किसी भी कोने तक ले जा सकते हैं। यही कारण है कि मोदी ने चेताया कि यदि अभी निर्णायक कार्रवाई नहीं हुई, तो यह त्रासदी अन्य देशों में भी फैल सकती है।

ड्रग्स माफिया केवल एक आपराधिक व्यापार नहीं, बल्कि मानव समाज की जड़ों को खोखला करने वाला वैश्विक संकट है। नशे का कारोबार सीमाओं, कानूनों और नैतिक मूल्यों-तीनों को धत्ता बताकर फैल रहा है। यह न केवल युवाओं के भविष्य को निगल रहा है, बल्कि देशों की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और आर्थिक व्यवस्था को भी कमजोर कर रहा है। इसलिए ड्रग्स माफिया का खतरा अब केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के अस्तित्व का प्रश्न बन गया है। दुनिया भर में नशे का अवैध व्यापार एक विशाल संगठित नेटवर्क के रूप में विकसित हो चुका है, जिसमें माफिया, कार्टेल, हथियार गिरोह, आतंकवादी संगठन और भ्रष्ट तंत्र की गहरी सांठगांठ शामिल है। यह नेटवर्क इतना शक्तिशाली है कि कई देशों में यह समानान्तर सत्ता जैसा व्यवहार करता है। अफगानिस्तान, मैक्सिको, कोलंबिया, म्यांमार, नाइजीरिया, रूस और यूरोप तथा एशिया के अनेक हिस्सों में ड्रग्स कार्टेलों ने शासन प्रणालियों को चुनौती दी है। अनेक जगह तो स्थितियां ऐसी बन जाती हैं कि सरकारें या तो इस लड़ाई में कमजोर पड़ जाती हैं या फिर समझौते करने को मजबूर हो जाती हैं। मोदी ने इस पर नियंत्रण के लिये दुनिया को एकजुट होने की आवश्यकता व्यक्त की।

जी-20 देशों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे ड्रग्स के अवैध उत्पादन, वितरण, ऑनलाइन डार्क-नेट व्यापार, क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से होने वाले भुगतान और सीमा-पार तस्करी पर न केवल नियंत्रण करें बल्कि इसके खिलाफ साझा रणनीति भी अपनाएं। मोदी ने इस दिशा में कुछ महत्वपूर्ण सुझाव दिए-प्रत्येक देश में अवैध वित्तीय गतिविधियों पर कड़ा नियंत्रण, एआई के दुरुपयोग को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास, डेटा साझाकरण को बढ़ावा, तकनीकी सहयोग को सुदृढ़ करना तथा डिजिटल और साइबर अपराधों के विरुद्ध नई वैश्विक नीति बनाना। एआई का दुरुपयोग आज केवल गलत सूचना फैलाने या साइबर अपराध तक सीमित नहीं रहा; उसके माध्यम से ड्रग्स की ऑनलाइन बिक्री, नकली पहचान, एन्क्रिप्टेड चैनल और तस्करों के गुप्त नेटवर्क को चलाने में भी व्यापक उपयोग होने लगा है। इस पर रोक अब सामूहिक प्रयासों के बिना संभव नहीं।

इस वर्ष का जी-20 शिखर सम्मेलन अमेरिका की

अनुपस्थिति के बावजूद काफी सफल माना गया। यह सफलता केवल उपस्थिति की संख्या में नहीं बल्कि चर्चाओं की गुणवत्ता, मुद्दों की गंभीरता और लिए गए निर्णयों के ठोस स्वरूप में दिखाई दी। बड़े देशों का एक-दूसरे से समन्वय और वैश्विक चुनौतियों को लेकर स्पष्टता इस सम्मेलन की बड़ी उपलब्धि रही। दुनिया का बदलता भू-राजनीतिक वातावरण, यूक्रेन और मध्य-पूर्व जैसे संघर्ष, आर्थिक अनिश्चितताएं और ग्लोबल साउथ की महत्वाकांक्षाएं-इन सबके बीच भी यह सम्मेलन शांत, रचनात्मक और समाधान-उन्मुख रहा। यह संकेत है कि दुनिया के राष्ट्र अब प्रतिस्पर्धा से ज्यादा सहयोग को प्राथमिकता देने लगे हैं। ड्रग-तस्करी और आतंकवाद जैसे मुद्दे किसी भी देश की सीमाओं में बंधे नहीं रह सकते; इसलिए उनका समाधान भी सीमाओं के पार सहयोग से ही संभव है।

मोदी के सुझावों का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि भारत लंबे समय से सीमा-पार आतंकवाद का शिकार रहा है और दक्षिण एशिया में ड्रग-तस्करी का एक बड़ा ट्रांज़िट-पॉइंट भी बनता रहा है। भारत ने तकनीक, कानून और कूटनीति-तीनों स्तरों पर इस खतरे से मुकाबला करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिनसे दुनिया सीख सकती है। भारत का अनुभव बताता है कि ड्रग-नेटवर्क को समाप्त करने के लिए तीन मोर्चों पर काम करना अत्यंत आवश्यक है-कड़ी सीमा निगरानी, सोशल-मीडिया एवं एआई आधारित निगरानी तंत्र को मजबूत करना, और युवाओं में नशामुक्ति एवं जागरूकता को बढ़ाना। केवल कानून पर्याप्त नहीं; सामाजिक-मानसिक जागरूकता भी उतनी ही जरूरी है।

जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सक्रिय, प्रभावशाली और केंद्रीय उपस्थिति ने एक बार फिर सिद्ध किया कि वे आज वैश्विक परिदृश्य के सबसे सशक्त, निर्णायक और भरोसेमंद नेताओं में अग्रणी हैं। अमेरिका की अनुपस्थिति के बावजूद विश्व मंच पर नेतृत्व का जो शून्य बन सकता था, उसे मोदी ने अपने संयमित, दूरदर्शी और कूटनीतिक करिश्मे से भर दिया। ड्रग-तस्करी, आतंकवाद, एआई के दुरुपयोग, वैश्विक अर्थव्यवस्था, ग्लोबल साउथ और मानव-कल्याण जैसे विविध मुद्दों पर उनकी स्पष्ट दृष्टि और व्यावहारिक समाधान ने दुनिया को यह विश्वास दिलाया कि भारत न केवल उभरती शक्ति है बल्कि स्थिर और सकारात्मक दिशा दिखाने वाला पथ-प्रदर्शक भी है। उनकी उपस्थिति ने यह भी रेखांकित किया कि बदलती वैश्विक राजनीति में जहां कई राष्ट्र आंतरिक संघर्षों और नीतिगत अनिश्चितताओं से जूझ रहे हैं, वहीं भारत एक विश्वसनीय, स्थिर और दूरदर्शी नेतृत्व प्रस्तुत कर रहा है। मोदी का यह उभार केवल भारत की प्रतिष्ठा को ऊंचा नहीं उठाता बल्कि दुनिया को एक ऐसे नेतृत्व का विकल्प देता है जो विकास, शांति, सुरक्षा और वैश्विक सहयोग के नए मॉडल को आगे बढ़ा सकता है और यही आज की दुनिया के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की 'एकात्म मानववाद' के दर्शनशास्त्र को वैश्विक विकास के भविष्य में महत्वपूर्ण बताते हुए दुनिया से इसे अपनाने की अपील की। मोदी ने पारंपरिक ज्ञान, स्वास्थ्य क्षेत्र, क्रिटिकल मिनरल्स, सैटेलाइट डेटा एक्सेस, अफ्रीका में क्षमता निर्माण और ड्रग-टेरर नेटवर्क के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का प्रस्ताव रखा। उनका कहना था कि इससे दीर्घकालिक शांति, मज़बूती और सतत विकास सुनिश्चित होगा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के अध्यक्षता की प्रशंसा की, जिसने कौशल आधारित प्रवासन, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार और महिलाओं के सशक्तिकरण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

उन्होंने यह भी बताया कि नई दिल्ली जी-20 शिखर सम्मेलन में लिए गए कई ऐतिहासिक निर्णयों पर आगे कार्य हो रहा है। जी-20 शिखर सम्मेलन का संकेत स्पष्ट है: दुनिया अब नए खतरे पहचान रही है और उन पर सामूहिक कार्रवाई के लिए तैयार भी हो रही है। आतंकवाद और ड्रग-तस्करी के गहरे रिश्ते को तोड़ना वैश्विक शांति के लिए अनिवार्य है। यदि आर्थिक, स्वास्थ्य और सुरक्षा की दृष्टि से सुरक्षित समाज बनाना है, तो ड्रग-पर नियंत्रण करना ही होगा। दुनिया की बढ़ती असुरक्षा का मुकाबला केवल हथियारों से नहीं, बल्कि जागरूकता, संयम, शिक्षा और संवेदनशीलता से होगा। जब तक हम नशे के इस वैश्विक खतरे को एक सामूहिक लड़ाई न मानें, तब तक सुरक्षा केवल एक भ्रम बनी रहेगी। समाज को नशे के खिलाफ खड़ा करना आज समय की बड़ी मांग है-क्योंकि यह केवल एक अपराध के खिलाफ संघर्ष नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देने का संकल्प है।

बीड़ी के विवाद में युवक की निर्मम हत्या, पत्थर से सिर कुचलकर मौत

भोपाल। बुधवार सुबह सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां एक युवक की पत्थर से सिर कुचलकर निर्मम हत्या कर दी गई। जानकारी के अनुसार यह विवाद बीड़ी को लेकर शुरू हुआ था। मामला गौतम नगर थाना क्षेत्र का है, जहां खून से लथपथ युवक का शव फुटपाथ पर पाया गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और कुछ ही घंटों में आरोपी कार्तिक राठौर को गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि मंगलवार की रात कार्तिक ने सुरेश कुशवाह से बीड़ी मांगी थी, लेकिन ना मिलने पर दोनों में विवाद हुआ। इसके बाद बुधवार सुबह कार्तिक ने पत्थर से हमला कर सुरेश की हत्या कर दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है और आरोपी के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया जारी है।

रेलवे स्टेशन पर मवेशियों का कब्जा, यात्री परेशान

शहडोल। रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर गाय और बैलों के खुलेआम घूमने से यात्री परेशान हो गए हैं। कई बार तेज भागते हुए मवेशियों ने यात्रियों को टक्कर मारने की कोशिश की, जिससे महिला और बुजुर्ग यात्रियों में डर फैल गया। अंबाला जाने वाली अंजली बैगा ने बताया कि मवेशियों के डर से प्लेटफॉर्म पर खड़ा रहना मुश्किल हो गया है और अब वे बस से सफर करने पर मजबूर हैं। वहीं बिलासपुर जाने वाले अभय तिवारी ने रेल विभाग पर सुरक्षा सुनिश्चित न करने का आरोप लगाया। स्टेशन पर मवेशियों का घूमना यात्री सुरक्षा के लिए गंभीर समस्या बन गई है।

मांग में सिंदूर भर शादी का झांसा देकर युवक ने किया दुष्कर्म, जांच जारी

ग्वालियर। एक युवती ने अपने बॉयफ्रेंड विश्वजीत उर्फ गोलू राजावत पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसकी मांग में सिंदूर भरकर खुद को उसका पति बताया और शादी का वादा किया, लेकिन बाद में उसे ब्लैकमेल कर कई बार होटल बुलाकर शारीरिक संबंध बनाए। युवती ने 18 नवंबर को हजीरा थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया। कोर्ट ने जमानत दे दी है। युवती का आरोप है कि आरोपी 30 नवंबर को शादी करने जा रहा है और इस दौरान उसे बदनाम करने की कोशिश कर रहा है। पीड़िता ने पुलिस को वीडियो भी सौंपा है, जिसमें आरोपी फांसी लगाने का नाटक कर धमकी देता दिख रहा है। पुलिस ने शिकायत और वीडियो की जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

लोकायुक्त का छापा: आदिम जाति सहकारी सोसायटी प्रबंधक के घर और फार्म हाउस पर दबिश

धार। जिले में लोकायुक्त की टीम ने बुधवार सुबह आदिम जाति सहकारी सोसायटी प्रबंधक गोवर्धन मारू के घर और फार्म हाउस पर छापा मारा। बताया जा रहा है कि आय से अधिक संपत्ति की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। इंदौर लोकायुक्त की टीम करीब साढ़े पांच बजे धार पहुंची और 8-10 गाड़ियों में सवार 10 से अधिक अधिकारी इस कार्रवाई में शामिल थे। इंदौर लोकायुक्त के डीएसपी सुनील तालान समेत अन्य अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे। टीम फिलहाल दस्तावेजों की जांच-पड़ताल में जुटी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि छापेमारी और दस्तावेजों की जांच के बाद ही कोई खुलासा किया जा सकेगा।

मौन होकर भी सबसे प्रखर है समय की भाषा

रणजीत टाइम्स

दुनिया में अगर कोई एक चीज ऐसी है जो अमीर-गरीब, ज्ञानी-अज्ञानी, राजा-रंक और साधु-पापी, सबको बराबर मिलती है, तो वह है वक्त। यही वह अदृश्य पूंजी है, जिसे न कोई चुरा सकता है, न बांट सकता है और न ही वापस पा सकता है। समय का यह न्याय इतना कठोर और निष्पक्ष है कि इतिहास के सभी निर्णय, सभी परिवर्तन और सभी क्रांतियां इसी की गोद में पली हैं। समय के तराजू में किसी की पहचान नहीं तौली जाती, केवल कर्म का भार मापा जाता है। एक ही सूरज सब पर समान रूप से उगता है।

एक ही दिन सभी के लिए चौबीस घंटे का होता है, पर कोई उसी में स्वप्न साकार कर लेता है और कोई शिकायतें संजोकर सो जाता है। फर्क वक्त के वितरण में नहीं, बल्कि उसके उपयोग की दृष्टि में है। किसी ने उन चौबीस घंटों में भविष्य गढ़ लिया, किसी ने उन्हें पछतावे में गंवा दिया। हालांकि इसी दुनिया में ऐसे भी लोग हैं, जिनकी जीवन स्थितियां उनका अपना चुनाव नहीं है और अपने जीने के जद्दोजहद में उनका समूचा वक्त निकल जाता है। ऐसे लोग भी चाहते हैं कि उनके जीवन में इतना वक्त हो कि वे अपने या अपनों या फिर दुनिया के बारे में कुछ सोच सकें, कुछ जान सकें और उसके बाद अपने जीवन को कोई नई दिशा दे सकें। बहरहाल, यह समय का चमत्कार है कि यह समान मात्रा में बंटता है, पर उसका मूल्य व्यक्ति खुद तय करता है। जीवन दरअसल वक्त का दूसरा नाम ही है। हम सोचते हैं कि जीवन बीत रहा है, जबकि बीतता समय है। हर बीतता पल हमें मृत्यु के एक क्षण पास ले जाता है, लेकिन साथ ही हर क्षण यह अवसर भी देता है कि हम उस बीतने को सार्थक बना सकें। मनुष्य का जीवनकाल समय का एक संक्षिप्त अनुबंध है। इसकी अवधि तय नहीं होती, पर इसका उपयोग पूरी तरह हमारे विवेक पर निर्भर होता है। कभी-कभी लगता है कि समय बहुत तेजी से भाग रहा है, पर सच यह है कि समय स्थिर है, भागता तो मनुष्य है अपनी इच्छाओं, महत्वाकांक्षाओं और असंतोष के पीछे।

समय कभी बोलता नहीं, लेकिन उसका मौन सबसे प्रखर भाषा है। यह हर व्यक्ति को उसकी हैसियत, कीमत और नियति का बोध कराता है। कभी यह शिक्षक बनकर अनुशासन सिखाता है, कभी कठोर परीक्षक बनकर हमारे कर्मों का परिणाम दिखाता है। जो लोग समय के साथ चलना सीख जाते हैं, वे इतिहास रचते हैं, जो लोग समय को ठुकरा देते हैं, इतिहास उन्हें भुला देता है। बुद्ध के ध्यान से लेकर गांधी के सत्याग्रह और फिर उससे आगे विज्ञान की खोजों तक- हर परिवर्तन समय के साथ की गई साधना का परिणाम है।

वक्त के सामने सबसे बड़ा भ्रम अहंकार है। राजा सोचता है, राज्य उसका है; व्यापारी सोचता है, धन उसका है; बुद्धिजीवी सोचता है, विचार उसके हैं। पर समय धीरे से हंसता है और कहता है- 'ये सब मेरे उधार हैं, एक दिन लौटा देने होंगे।' वक्त जब पलटता है, तो सिंहासन भी झुका देता है और भिखारी को भी प्रतिष्ठा दे देता है। यही उसका संतुलन है, यही उसका दार्शनिक सौंदर्य। जो व्यक्ति यह समझ लेता है कि 'मैं नहीं, समय बड़ा है', वही शांति पाता है। समय की साधना का अर्थ है- वर्तमान में जीना। भविष्य की चिंता और अतीत का बोझ मनुष्य को उस एकमात्र सत्य से दूर ले जाते हैं, जो उसके पास है- यह क्षण।

दरअसल, वर्तमान ही समय का वास्तविक रूप है। न अतीत को पकड़ा जा सकता है, न भविष्य को छुआ जा सकता है। महर्षि पतंजलि ने योगसूत्रों में कहा- 'क्षणक्षणं युगवत् भवति।' यानी हर क्षण में युगों की संभावना छिपी है। अगर कोई व्यक्ति हर क्षण को सच्चे मन से जी सके, तो वही क्षण उसके जीवन का स्वर्णयुग बन सकता है। समय के मूल्य को केवल वही जानता है, जिसने उसे खोया है। बीता हुआ पल किसी भी धन से खरीदा नहीं जा सकता। कभी-कभी हम सोचते हैं कि भविष्य में सब ठीक कर लेंगे, पर यह भूल जाते हैं कि भविष्य वही है, जो वर्तमान से बनता है।

समय को आदर देना दरअसल अपने जीवन को आदर देना है। जो लोग समय को 'सहेजना' जानते हैं, वे जीवन की हर लड़ाई जीत लेते हैं। और जो उसे 'टालना' जानते हैं, वे धीरे-धीरे अपनी ही क्षमता को खो देते हैं। वक्त किसी का दुश्मन नहीं होता, लेकिन यह किसी के प्रति दयालु भी नहीं होता। यह बस अपना धर्म निभाता है- बहना, बदलना और सबको परखना। जो इसके साथ चलना सीख जाए, वह आगे बढ़ता है। जो इसके विरोध में जिये, वह ठहर जाता है। इसलिए वक्त को समझना एक दार्शनिक साधना है- यह हमें सिखाता है कि जीवन सीमित है, इसलिए हर क्षण को सार्थक बनाओ। यह बताता है कि सबको बराबर मिलता है, पर जो उसका सम्मान करता है, वही वास्तव में 'जीता' है। वक्त अदृश्य, अजेय और अपरिहार्य है। जो इसे पहचान लेता है, वह खुद को पहचान लेता है।

स्टारडम के पीछे की सच्चाई : अर्जुन रामपाल ने झेला ऐसा संघर्ष कि घर चलाना हुआ मुश्किल

बॉलीवुड में कई सितारे ऐसे रहे हैं, जिन्हें देखने पर लगता है कि उनकी जिंदगी शुरू से ही चमक और शोहरत से भरी रही होगी। अर्जुन रामपाल भी उन्हीं चेहरों में से एक हैं। मॉडल जैसी पर्सनैलिटी देखकर कोई भी कहेगा कि उनका सफर बहुत आसान होगा। लेकिन, असलियत इससे बिल्कुल अलग है। शुरुआत में अर्जुन को ऐसे दौर से गुजरना पड़ा, जब रोजमर्रा का खर्च चलाना भी उनके लिए मुश्किल हो जाता था। यह संघर्ष उनकी जिंदगी का ऐसा पहलू है, जिसे बहुत कम लोग जानते हैं। अर्जुन रामपाल का जन्म 26 नवंबर 1972 को मध्य प्रदेश के जबलपुर में हुआ था। उनका परिवार मिलिट्री बैकग्राउंड से जुड़ा था। उनके नाना ब्रिगेडियर गुरदयाल सिंह भारतीय सेना के लिए पहली आर्टिलरी गन डिजाइन करने वाली टीम का हिस्सा थे। अर्जुन जब काफी छोटे थे, तब उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। इसके बाद उनका पालन-पोषण उनकी मां ने किया, जो एक स्कूल टीचर थीं।1 स्कूल की शिक्षा महाराष्ट्र में हुई और आगे की पढ़ाई के लिए वह दिल्ली आ गए और यहां पर दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन किया। एक दिन पार्टी में अर्जुन की मुलाकात फैशन डिजाइनर रोहित बल से हुई और उन्होंने मॉडलिंग करने का ऑफर दिया। देखते ही देखते वह भारत के टॉप मॉडल्स में गिने जाने लगे। साल 1994 में उन्हें मॉडलिंग के लिए 'सोसाइटी फेस ऑफ द ईयर' अवॉर्ड भी मिला। लेकिन, हर चमक के पीछे एक कहानी होती है। मॉडलिंग में नाम बनाने के बावजूद कमाई बहुत अनियमित थी। अर्जुन ने एक इंटरव्यू में खुद बताया था कि फिल्मों में आने की कोशिशों के दौरान उनकी हालत ऐसी हो गई थी कि कई बार उनके पास खाना खरीदने तक के पैसे नहीं होते थे। दिखने में मॉडल जैसे पर जिंदगी में वह संघर्ष कर रहे थे कि घर कैसे चलेगा, आने वाले दिनों में काम मिलेगा भी या नहीं। ऐसे ही संघर्ष भरे दिनों में अर्जुन को अपनी पहली फिल्म 'मोक्ष' मिली, लेकिन यह फिल्म बनने में पांच साल लग गए। इस बीच उन्होंने मॉडलिंग छोड़ दी थी और कोई तय काम भी नहीं था। आखिरकार 2001 में उनकी पहली रिलीज फिल्म 'प्यार इश्क और मोहब्बत' आई। यह फिल्म भले बॉक्स ऑफिस पर नहीं चली, लेकिन अर्जुन की एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई। इसी फिल्म के लिए उन्हें आईफा का फेस ऑफ द ईयर अवॉर्ड मिला। इसके बाद उन्हें लगातार फिल्में मिलने लगीं।

दिल्ली धमाके ने छीन लिया कश्मीरी महिला का आशियाना, बोलीं- ये शहर मुझे नहीं चाहता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 10 नवंबर को हुए ब्लास्ट ने एक महिला से उसका आशियाना ही छीन लिया है। जिस दिल्ली में वह 13 साल रही, उस देश की राजधानी में उसे कोई किराया का घर देने तको तैयार नहीं है। कश्मीरी महिला का कहना है कि यह वह जगह है जहां मैंने दोस्त बनाए, अपनी पहचान बनाई और शुरू से अपनी जिंदगी बनाई, लेकिन यह बहुत पराया सा महसूस हुआ। मारिया नाम की महिला ने दुखी स्वर में कहा कि जिस शहर में मैं 13 साल तक रही, वह मुझे अब नहीं चाहता,लेकिन न तो इस महिला का नाम दिल्ली बम ब्लास्ट से जुड़ा है और न ही इसका कोई उस धमाके से वास्ता है,पर फिर क्यों दिल्लीवाले मारिया को घर देने से मना कर रहे हैं।

आइए जानते हैं। इस महीने काम से तीन महीने की छुट्टी के बाद जब मारिया बिलाल दिल्ली लौटीं, तो उन्हें किराये पर रहने के लिए घर नहीं मिल पाया। 36 वर्षीय कम्युनिकेशन प्रोफेशनल मारिया ने कहा, ऐसा लगा जैसे जिस शहर में मैं 13 साल तक रही, वह मुझे अब नहीं चाहता।

यह वह जगह है जहां मैंने दोस्त बनाए, अपनी पहचान बनाई और शुरू से अपनी जिंदगी बनाई, लेकिन यह बहुत पराया सा महसूस हुआ। मारिया ने अपना पूरा कामकाजी जीवन दिल्ली में ही बिताया है। चूंकि वह लाजपत नगर का जिस घर में पिछली बार रहती थीं, वह अब उपलब्ध नहीं था, इसलिए मारिया ने ब्रोकरों से संपर्क किया।

लाल किले ब्लास्ट को 15 दिन बीत गए लेकिन पीड़ितों के जख्म अभी भी हैं ताजा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के लाल किला के पास हुए ब्लास्ट ने पूरे देश को हिला कर रख दिया। इस धमाके में 13 लोगों की मौत हो गई वहीं 20 से ज्यादा लोग घायल हो गए। 10 नवंबर को हुए इस धमाके को पूरे 15 दिन हो गए, लेकिन पीड़ितों की जिंदगी अभी भी उसी पल में अटकी हुई है।

रात को चीखकर उठता है 21 साल का लड़का- टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 21 साल के राहुल कौशिक कनॉट प्लेस में 3डी एनिमेशन का कोर्स कर रहा था। हर सोमवार वह दोस्त अंकुश के साथ गौरी शंकर मंदिर जाता था। उस दिन भी गया। धमाका हुआ तो राहुल कई मीटर दूर जा गिरा। खून बह रहा था, फिर भी उठा और अंकुश को ढूंढने दौड़ा। अंकुश मिला, लेकिन उसकी एक आंख हमेशा के लिए चली गई। राहुल को बाएं कान से बिल्कुल सुनाई दे रहा। दाहिने कान भी ठीक से काम नहीं कर रहा। रात में तीन-चार घंटे से ज्यादा

नींद नहीं आती। आंख बंद करते ही सब वापस लौट आता है। वह चीखकर उठ जाते हैं, सांस फूलती है और ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। अब वो कॉलेज नहीं जा रहे, घर से बाहर भी नहीं निकलते।

नौकरी गई, शादी टल गई- दरियागंज की 23 साल की शाइना का बायां कान भी काम नहीं कर रहा। दाहिने कान से भी कम सुनाई देता है। अस्पताल से लौटी तो ऑफिस ने नौकरी से निकाल दिया।

घर का इकलौता कमाने वाला, अब चल नहीं सकता

33 साल के कैब ड्राइवर भवानी शंकर शर्मा उसी विस्फोटक कार के ठीक पीछे थे। दाहिना चेहरा और हाथ जख्मी हो गया। पैर की मांसपेशियां फट गईं। डॉक्टरों ने कहा कम से कम छह महीने काम नहीं कर पाएंगे। गाड़ी जल गई, कमाई बंद हो गई। डॉक्टर के पास जाने के लिए दूसरी कैब में बैठे तो पैनिक अटैक आया। आज भी कान में वही घंटियां और चीखें गूंजती हैं। सबसे चौंकाने वाली बात ये है कि धमाके को 15 दिन बीत जाने के बाद भी सरकार की ओर से किसी भी पीड़ित को अब तक कोई आधिकारिक मनोवैज्ञानिक सहायता या काउंसलिंग नहीं दी गई है।

लूव्र म्यूजियम में चोरी के मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार

पेरिस , एजेंसी। पेरिस के अभियोजक ने मंगलवार को चार और गिरफ्तारियों की जानकारी की है। यह गिरफ्तारी अक्टूबर में लूव्र म्यूजियम में हुई उस चौंकाने वाली चोरी के सिलसिले में हुई है, जिसमें एक गैंग ने 10.2 करोड़ डॉलर के गहने चोरी किए थे। पड़ताल को लीड कर रही अभियोजक लॉरे बेकुओ ने कहा कि हिरासत में लिए गए दो पुरुष और दो महिलाएं पेरिस इलाके के हैं और उनकी उम्र 31 से 40 साल के बीच है। उनके बयान में यह नहीं बताया गया कि 19 अक्टूबर की चोरी में उन पर क्या भूमिका होने का शक है। पुलिस उनसे 96 घंटे तक पूछताछ कर सकती है। फ्रेंच मीडिया की रिपोर्ट है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक, 39 साल का आदमी जिसे पुलिस सर्विस पहले से जानती है, माना जा रहा है कि वह उस टीम का चौथा सदस्य है जिसने दिनदहाड़े इस बड़ी लूट को अंजाम दिया और वह ऑबरविलियर्स का रहने वाला है, जो पेरिस के उत्तर में एक सबअर्ब है, जिससे दूसरे संदिग्धों के कनेक्शन हैं।

संयुक्त राष्ट्र की चौंकाने वाली रिपोर्ट

दुनिया में हर 10वें मिनट एक महिला की हत्या, हर दिन 137 महिलाओं की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुनिया भर में लगभग हर 10 मिनट में किसी महिला या लड़की की हत्या उसके साथी या परिवार के सदस्य द्वारा कर दी जाती है। यह औसतन हर दिन 137 हत्याएं बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) और यूएन विमेन की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि फेमिसाइड (महिलाओं की लैंगिक आधार पर हत्या) अब भी लाखों महिलाओं और लड़कियों की जान ले रहा है और इस पर रोक लगाने में कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही।

यूएनओडीसी के कार्यकारी निदेशक जॉन ब्रांडोलिनो ने कहा, दुनिया की बहुत बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों के लिए घर आज भी खतरनाक और कई बार जानलेवा जगह बना हुआ है। उन्होंने फेमिसाइड रोकने के लिए बेहतर रोकथाम उपायों और प्रभावी न्यायिक व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में ताइवान

राष्ट्रपति पेश करेंगे 40 अरब का अतिरिक्त रक्षा बजट

ताइपे, एजेंसी। ताइवान ने चीन की आक्रामकता को मुंहतोड़ जवाब देनी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख में कहा कि देश अपनी रक्षा के दृढ़ संकल्प को दर्शाने के लिए 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त रक्षा बजट पेश करेगा। इस बजट में जरूरी नए अमेरिकी हथियारों की खरीद की योजना भी शामिल है।

राष्ट्रपति चिंग-ते के इस बयान से चीन को मिर्ची लगना तय है। बीते पांच वर्षों में चीन ने ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताने के दावों को पुख्ता करने के लिए ताइपे पर सैन्य और राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ताइवान इसे दृढ़ता से खारिज करता रहा है। ताइवान को वाशिंगटन से अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करने के लिए भी गुजारिश करनी पड़ रही है, जो यूरोप पर अमेरिका के दबाव को दर्शाता है। इस साल अगस्त महीने में लाई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 2030 तक रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद के 5 फीसदी तक पहुंच जाएगा। उन्होंने मंगलवार को प्रकाशित लेख में कहा, 'यह ऐतिहासिक पैकेज न केवल अमेरिका से महत्वपूर्ण नए हथियारों की खरीद को वित्तपोषित करेगा, बल्कि ताइवान की विषम क्षमताओं को भी व्यापक रूप से बढ़ाएगा।' उन्होंने लिखा कि ऐसा करने में हमारा लक्ष्य बीजिंग की ओर से बल प्रयोग के संबंध में फैसले लेने में ज्यादा लागत और अनिश्चितताएं डालकर निवारण को मजबूत करना है।

लाई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अतिरिक्त रक्षा व्यय का प्रस्ताव देंगे , लेकिन उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया था। उनके कार्यालय ने बताया कि लाई बुधवार सुबह वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के बाद रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे।

2026 तक सरकार रक्षा खर्च को 949.5 अरब ताइवान डॉलर (30.25 अरब डॉलर) तक पहुंचाने का प्रस्ताव कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह जीडीपी के 3.32 फीसदी के बराबर है, जो 2009 के बाद पहली बार 3 फीसदी की सीमा को पार कर गया है।

औपचारिक राजनयिक संबंधों के अभाव के बावजूद अमेरिका कानून के मुताबिक ताइवान को आत्मरक्षा के साधन मुहैया कराने के लिए बाध्य है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से उनके प्रशासन ने अब तक ताइवान को केवल एक नए हथियार की बिक्री को मंजूरी दी है। जो लड़ाकू जेट और अन्य विमान भागों के लिए 330 मिलियन डॉलर का पैकेज है, जिसकी घोषणा इस महीने की शुरुआत में की गई थी।

लाई ने लिखा, 'हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं कि उन्होंने दुनिया भर में अमेरिकी नेतृत्व के महत्व को स्पष्ट कर दिया है। ट्रंप प्रशासन की ताकत के जरिए शांति की कोशिशों की वजह से आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय ज्यादा सुरक्षित है।' चीन की ओर से अलगाववादी घोषित किए जाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने चीन के साथ वार्ता करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है।

इथियोपिया में ज्वालामुखी का प्रकोप थमा

अदीस अबाबा, एजेंसी। उत्तरी इथियोपिया के लंबे समय से निष्क्रिय रहे हेली गुब्बी ज्वालामुखी में पिछले सप्ताहांत हुए विस्फोट के बाद अब ज्वालामुखीय गतिविधि कम हो गई है। इस विस्फोट ने आसपास के इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया और राख के बादल उड़ान मार्गों में फैल जाने के कारण कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं।

अफार क्षेत्र के अफदेरा जिले के गांव राख की मोटी परत से ढक गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार लोग खांसी की समस्या से जूझ रहे हैं और पशुधन के लिए पानी और घास पूरी तरह राख से ढक गई है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद कई एयरलाइंस ने प्रभावित रूटों पर उड़ानें रद्द कर दीं।

मौसम विभाग के अनुसार राख के बादल देर शाम तक साफ होने की संभावना है। भारत की एयर इंडिया ने सोमवार और मंगलवार को 11 उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल थीं। एयरलाइन ने बताया कि भारतीय विमानन नियामक के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों से गुजरने वाले विमानों की जांच की जा रही है। भारत की अकासा एयर ने भी जेद्दा, कुवैत और अबू धाबी जैसी मध्य पूर्व की उड़ानों पर रोक लगाई। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कम से कम सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मंगलवार को रद्द हुईं, जबकि एक अधिकारी के अनुसार दर्जन भर उड़ानें देरी से रवाना हुईं। मौसम विभाग ने बताया कि 8 से 15 किलोमीटर की ऊंचाई और हवा की गति 100 से 150 किमी प्रति घंटा होने के कारण राख का यह गुबार बड़ा खतरा नहीं बना। यह गुबार अब चीन की ओर बढ़ गया है।

इमरान खान से बहनों को मिलने से रोका गया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान 2023 से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। पाकिस्तान की सरकार और सेना पर लंबे समय से उन्हें जेल में प्रताड़ित करने का आरोप लगता रहा है। इमरान खान के परिवार को भी उनसे मिलने की इजाजत नहीं मिल रही है। इसी बीच अफगानिस्तान ने पूर्व पीएम को लेकर सनसनीखेज दावा किया है।

अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि इमरान खान की जेल में हत्या कर दी गई है। हालांकि, पाकिस्तान इन दावों को झूठा करार दिया है।

इमरान को परिवार से नहीं मिलने दिया- बीते दिन इमरान खान की बहनें नूरीन खान, अलीमा खान और उज्मा खान उनसे मिलने अदियाला जेल के बाहर पहुंची थीं। इस दौरान इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के समर्थकों ने भी जेल बाहर धरना प्रदर्शन किया। सभी प्रदर्शनकारी इमरान खान की हेल्थ रिपोर्ट साझा करने की मांग कर रहे थे। मगर, पाक हुकूमत सभी प्रदर्शनकारियों के साथ बेरहमी से पेश आई।

बुरहानपुर में दहशत का तांडव!

महल गुराड़ा में प्रतिबंध के बावजूद पाड़ों की टक्कर, हिंसा में बदला खेल लाठी-डंडे और पत्थरबाजी, 5 घायल!

बुरहानपुर जिले के ग्राम महल गुराड़ा से सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां प्रशासन की सख्ती को ठेंगा दिखाते हुए बिना अनुमति पाड़ों की टक्कर कराई गई, और यही टक्कर कुछ ही देर में खूनी संघर्ष में तब्दील हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दो पाड़ों की टक्कर के बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच लाठी-डंडे और पत्थर चलने लगे, जिससे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। इस हिंसक झड़प में कुल 5 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि चार लोगों को मामूली चोटें आई हैं। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और पुलिस स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी पराजय का सामना करने वाली कांग्रेस अब हार के कारणों की समीक्षा करेगी

पटना। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने बिहार चुनाव में हार की समीक्षा के लिए पार्टी नेताओं की 27 नवंबर को दिल्ली में बैठक बुलाई है। इस बैठक में चुनाव लड़ने वाले सभी 61 उम्मीदवार भी शामिल होंगे और अपने-अपने क्षेत्र की रिपोर्ट देंगे।बिहार चुनाव में पराजय के बाद से ही प्रदेश कांग्रेस में बवाल मचा है, जो थमने का नाम नहीं ले रहा। पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाकर प्रदेश नेतृत्व ने पार्टी के पुराने 43 नेताओं को नोटिस दिया है। इनमें से सात को निष्कासित भी किया गया है। बावजूद इसके, टिकट बंटवारे को लेकर किया जा रहा विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। नाराज गुट पार्टी नेता राहुल गांधी से मुलाकात को दिल्ली में डेरा जमाए हुए है। इस बीच चुनाव में खराब प्रदर्शन की समीक्षा बैठक को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में जीते हुए छह विधायकों सहित सभी 61 प्रत्याशी, पार्टी के सभी सांसद, प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, शकील अहमद खान के अलावा राज्यसभा सदस्य डा. अखिलेश प्रसाद सिंह शामिल होंगे। पार्टी के प्रदर्शन पर सभी अपनी-अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे। बता दें कि पार्टी ने विधानसभा चुनाव में 61 सीटों पर चुनाव लड़ा था।

घर में दीपक प्रज्ज्वलन का दिव्य महत्व

धार्मिक, आध्यात्मिक और सकारात्मक ऊर्जा से भरी परंपरा

सुबह-शाम घी का दीपकः घर में शुभता और सकारात्मक तरंगों का संचार

भारतीय संस्कृति में दीपक को शुभता, पवित्रता और दिव्य ऊर्जा का प्रतीक माना गया है। प्रतिदिन प्रातः और सायं घी का दीपक प्रज्ज्वलित करने से घर में सात्विक कंपन बढ़ते हैं। घी के दीपक की लौ कम से कम 15-20 मिनट तक जलना चाहिए, ताकि उसकी गर्माहट और रोशनी पूरे वातावरण को शुद्ध कर सके। इसकी ज्योति घर की नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर मन को शांति और संतुलन प्रदान करती है।

भगवान को चढ़ाया गया दीपक और आरती का दीपक अलग क्यों?

धार्मिक मान्यता के अनुसार भगवान को अर्पित किया गया दीपक पूजा का पवित्र अंग माना जाता है, इसलिए इसे आरती में उपयोग नहीं किया जाता। आरती का दीपक अलग रखने से पूजा की पवित्रता, सम्मान और आध्यात्मिक अनुशासन बना रहता है। यह भक्ति की दो अलग धाराओं-अर्पण और आराधना-का प्रतीक है।

दीपक को जमीन पर न रखने का आध्यात्मिक कारण

भारतीय परंपरा में धरती को माता का रूप माना गया है। इसलिए दीपक को सीधे भूमि पर रखना उचित नहीं माना जाता। दीपक को हमेशा किसी साफ पात्र में या नीचे अक्षत (चावल) रखकर स्थापित करना चाहिए। अक्षत शुभता, स्थिरता और मंगल का प्रतीक होते हैं, जिससे दीपक का महत्व और ऊर्जा और अधिक शक्तिशाली हो जाती है।

घर को पवित्र, मन को शांत और जीवन को उज्वल बनाता है दीपक

घी के दीपक की लौ केवल रोशनी नहीं फैलाती, बल्कि घर में सुख-समृद्धि, शांति और सकारात्मकता का प्रकाश भर देती है। प्रतिदिन दीपक जलाना केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि एक दिव्य अभ्यास है जो आपके घर के वातावरण को पवित्र बनाता है और जीवन में शुभ ऊर्जा का मार्ग प्रशस्त करता है।

रणजीत टाइम्स

आचार्य पं. सागर जी

|कर्मकांड | वास्तु शास्त्र |
|ज्योतिष विशेषज्ञ | हनुमान मंदिर

अदालत को बहुत हल्के मे ले रहे हैं : पुलिस स्टेशनो मे CCTV लगाने मे विफल रहने पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र,राज्यो को फटकार लगाई

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कई राज्यों और केंद्र सरकार को फटकार लगाई क्योंकि वे सभी पुलिस स्टेशनों में CCTV कैमरे लगाने के 2020 के फैसले का पालन करने में नाकाम रहे। जस्टिस विक्रम नाथ और संदीप मेहता की बेंच ने कहा कि कस्टोडियल मौतें "सिस्टम पर एक धब्बा" हैं और केंद्र सरकार सुप्रीम कोर्ट को "बहुत हल्के में" ले रही है, इसलिए उसके पहले के आदेशों के अनुसार कम्प्लायंस एफिडेविट भी फाइल नहीं किया गया। कोर्ट इस साल की शुरुआत में एक सू मोटो केस की सुनवाई कर रहा था, जो एक अखबार की रिपोर्ट के बाद लिया गया था। इसमें बताया गया था कि राजस्थान में आठ महीनों में 11 कस्टोडियल मौतें हुईं, जबकि परमवीर सिंह सैनी बनाम बलजीत सिंह मामले में कोर्ट ने देश के सभी पुलिस स्टेशनों में नाइट विज़न वाले CCTV कैमरे लगाने के निर्देश दिए थे। जस्टिस मेहता ने सुनवाई शुरू करते हुए कोर्ट के पिछले निर्देश का ज़िक्र किया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कम्प्लायंस एफिडेविट फाइल करना होगा। उन्होंने कहा कि कई राज्य जवाब देने में फेल रहे हैं। कोर्ट की मदद कर रहे सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ दवे ने बताया कि सिर्फ 11 राज्यों ने ही कम्प्लायंस किया है। इसके बाद जस्टिस मेहता ने मध्य प्रदेश राज्य की तारीफ की और इसे कम्प्लायंस का एक मॉडल उदाहरण बताया। जस्टिस मेहता ने कहा, "मध्य प्रदेश का काम शानदार है।" दवे सहमत हुए। उन्होंने कहा, "हां, मध्य प्रदेश मॉडल राज्य है।" इसके बाद बेंच ने दूसरे राज्यों की चुप्पी पर सवाल उठाया। जस्टिस मेहता ने हैरानी जताई कि केरल, जो अपनी एडमिनिस्ट्रेटिव एफिशिएंसी के लिए जाना जाता है, ने अपनी रिपोर्ट फाइल नहीं की है। उन्होंने कहा, "केरल क्यों पीछे हट रहा है? यह इतना एडवांस्ड स्टेट है।"

मुस्लिम व्यक्ति अपनी दूसरी पत्नी के प्रति दायित्व का हवाला देकर पहली पत्नी को गुज़ारा भत्ता देने से इनकार नही कर सकताः केरल HC

केरल हाईकोर्ट ने हाल ही में कहा कि एक मुस्लिम आदमी अपनी दूसरी पत्नी के प्रति ज़िम्मेदारियों का हवाला देकर या यह दावा करके कि उनका बेटा उनकी आर्थिक मदद कर रहा है, अपनी पहली पत्नी को गुज़ारा भत्ता देने से बच नहीं सकता जस्टिस कौसर एडप्पागथ ने समझाया कि हालांकि मुस्लिम पर्सनल लॉ एक आदमी को एक से ज़्यादा शादी करने की इजाज़त देता है, लेकिन भारत में शरिया कानून और मुस्लिम पर्सनल लॉ, दोनों के तहत, एक से ज़्यादा शादी की इजाज़त सिर्फ़ खास हालात में ही दी जाती है और इस सख्त शर्त के साथ कि सभी पत्नियों के साथ सही बर्ताव किया जाए।

जज ने आगे कहा, "एक मुस्लिम पति को एक से ज़्यादा पत्नियां रखने का कोई खास हक नहीं है। मुस्लिम कानून के तहत एक से ज़्यादा शादी करना नियम है और एक से ज़्यादा शादी करना एक छूट है। मुस्लिम कानून के तहत पुरुषों के लिए एक से ज़्यादा शादी की इजाज़त सिर्फ़ खास और असाधारण हालात में ही दी जाती है, वह भी इस सख्त शर्त के साथ कि सभी पत्नियों के साथ एक जैसा और बराबरी का बर्ताव किया जाए।" कोर्ट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि सही बर्ताव सिर्फ़ इमोशनल बर्ताव तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसमें फाइनेंशियल मदद भी शामिल है। इस तरह, जब कोई आदमी अपनी पहली शादी के वैलिड रहते हुए दूसरी शादी करने का फैसला करता है, तो उसे यह पक्का करना होगा कि वह अपनी दोनों पत्नियों की बराबर देखभाल कर सके और उसकी दूसरी शादी का इस्तेमाल उसकी पहली पत्नी के प्रति उसकी ज़िम्मेदारी को नकारने या कम करने के बहाने के तौर पर नहीं किया जा सकता।

कोर्ट ने कहा, "कुरान की आयत (IV: 3) जो एक से ज़्यादा शादी की इजाज़त देती है, उसमें यह साफ़ तौर पर कहा गया है कि अगर कोई अपनी सभी पत्नियों के साथ इंसाफ़ करने से डरता है, तो उसे सिर्फ़ एक से शादी करनी चाहिए। 'सभी पत्नियों के साथ इंसाफ़ करना' का मतलब न सिर्फ़ प्यार और प्यार में बराबरी है, बल्कि गुज़ारे में भी बराबरी है। इसलिए, एक मुस्लिम पति जिसने अपनी पहली शादी के चलते दूसरी शादी कर ली, वह यह नहीं कह सकता कि उसके पास अपनी पहली पत्नी का गुज़ारा करने का कोई ज़रिया नहीं है। यह बात कि पति की दूसरी पत्नी है और वह उसका गुज़ारा करने के लिए ज़िम्मेदार है, इनकार करने का कारण नहीं हो सकती।" कोर्ट ने यह बात एक मुस्लिम महिला को दिए गए गुज़ारे के पैसे को सही ठहराते हुए कही, जो अपने पति की दूसरी शादी के बाद उससे अलग रह रही थी। झगड़ा तब शुरू हुआ जब पहली पत्नी ने 2016 में मेंटेनेंस के लिए केस किया। उसने कहा कि उसके पास न तो कोई नौकरी है और न ही इनकम जिससे वह अपना गुज़ारा कर सके और उसके पति, जो 40 साल से ज़्यादा समय से गल्फ़ में काम कर रहे थे, के पास उसे गुज़ारा करने के लिए काफ़ी साधन हैं।

ग्वालियर में आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ उग्र प्रदर्शन

सैकड़ों स्वर्ण समाज के लोग आईएएस संतोष वर्मा के खिलाफ मुक़दमा दर्ज कराने पहुंचे पुलिस अधीक्षक कार्यालय

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर :- ग्वालियर में ब्राह्मण समाज की बहन-बेटियों को लेकर अभद्र टिप्पणी करने के आरोप में आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया गया। रक्षक मोर्चा और विभिन्न सनातनी संगठनों के सदस्यों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पर धरना दिया और अमित दुबे द्वारा एफआईआर के लिए दिए गए आवेदन पर संतोष वर्मा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करने की व कार्रवाई की मांग की। आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा पर ब्राह्मण समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने का आरोप है। उनका एक बयान वायरल हुआ था जिसमें उन्होंने ब्राह्मण समाज के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस बयान के बाद से ही संतोष वर्मा का विरोध हो रहा है।

प्रदर्शनकारियों की मांग

प्रदर्शनकारियों ने मांग की है कि संतोष वर्मा के खिलाफ तत्काल प्रभाव से एफआईआर दर्ज की जाए और उन्हें बर्खास्त किया जाए। वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल मिश्रा ने कहा कि संतोष वर्मा का बयान सामाजिक सद्भाव बिगाड़ने वाला है और इसके लिए उन्हें कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

पुलिस अधीक्षक का आश्वासन

पुलिस अधीक्षक ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि वे 2 दिन के भीतर संतोष वर्मा पर एफआईआर दर्ज करेंगे। इसके बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वे इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई करेंगे और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदर्शन में शामिल प्रमुख लोग वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल मिश्रा रामलला सरकार अयोध्या,महेश मुद्गल ,अशोक पटसारिया, केडी सोनकिया ,परमानंद शर्मा,अमित दुबे, नीरज भार्गव, लालता प्रसाद मिश्रा, राजेश नायक, राम पाठक, ध्यानेंद्र शर्मा, एडवोकेट मोहित शर्मा, जनवेद तोमर ,राजीव शर्मा, प्रीति शर्मा , धर्मेंद्र गौर, प्रदीप शर्मा आदि सैकड़ों साथी शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि संतोष वर्मा के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे इस मामले में न्याय के लिए लड़ाई लड़ेंगे और दोषियों को सजा दिलाएंगे।

प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय के बाहर धरना दिया और संतोष वर्मा के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि संतोष वर्मा का बयान निंदनीय है और इसके लिए उसको नौकरी से बर्खास्त कर देना चाहिए । प्रदर्शनकारियों ने पुलिस अधीक्षक को एक ज्ञापन सौंपा और संतोष वर्मा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

आगे की कार्रवाई

पुलिस अधीक्षक ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि वे इस मामले में आगे 2_3 दिन में FIR की कार्रवाई करेंगे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि वे इस मामले में जांच करेंगे और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस अधीक्षक ने प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की अपील की है। ग्वालियर में संतोष वर्मा के खिलाफ उग्र प्रदर्शन किया गया और सैकड़ों समाजसेवी पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने संतोष वर्मा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की और चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं की गई तो वे उग्र आंदोलन करेंगे। पुलिस अधीक्षक ने प्रदर्शनकारियों को आश्वासन दिया है कि वे इस मामले में 2 दिन में FIR करेंगे और आगे की कार्रवाई करेंगे।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर
एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें।
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

जिला स्तरीय (मध्य प्रदेश) राज्य जैव विविधता क्वीज कार्यक्रम 2025 में 79 टीमों ने लिया भाग

दिलीप पाटीदार

नि.प्र.प्रदेश के विद्यार्थी वर्ग में जैव विविधता के प्रति शिक्षा एवं जागरूकता उत्पन्न करने हेतु के उद्देश्य दिनांक 25.11.2025 को जिला स्तरीय जैव विविधता क्विज कार्यक्रम 2025 ऑफलाइन का आयोजन वन विभाग मध्य प्रदेश राज्य जैविक विविधता बोर्ड भोपाल एवं लोक शिक्षण संचनालय भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित किया गया!

जिला स्तर पर कार्यक्रम हेतु कक्षा 9वीं से 12वीं तक के छात्र-छात्राओं में प्रत्येक स्कूल के तीन विद्यार्थियों का चयन कर एक टीम तैयार की गई! जिला स्तरीय जैव विविधता क्वीज कार्यक्रम में 2025 ऑफलाइन जिले में 79 टीमों का पृथक-पृथक विद्यालय से पंजीयन किया गया! क्विज प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 01 घोड़ा चौपाटी धार में आयोजित किया गया जिला स्तर पर टीमों का पंजीयन प्रातः 10:30 बजे से प्रारंभ हुआ.क्वीज प्रतियोगिता की लिखित परीक्षा दोपहर 12:30 से प्रारंभ होकर 1:30 बजे तक समाप्त हुई . क्विज कार्यक्रम में हिंदी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में प्रश्न पत्र दिए गए. क्विज कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विजयमंथन (IFS) डी.एफ.ओ.धार

तथा विशेष अतिथि के रूप में संतोष कुमार रनशोरे उप मंडल अधिकारी धार, सचिन सयदे फॉरेस्ट रेंजर धार रहे. कार्यक्रम का सफल संचालन क्विज मास्टर अश्विनी कुमार दीक्षित विकासखंड योग प्रभारी सरदारपुर द्वारा किया गया. समन्वयक अधिकारी की भूमिका डॉ रविकांत हिंडोलिया एवं वीरेंद्र शर्मा धार ने निभाई . जिला स्तर पर प्रथम, द्वितीय,तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को प्रमाण पत्र एवं शील्ड प्रदान किए गए! क्विज मास्टर एवं समन्वरक अधिकारियों / कर्मचारीयों को भी सहयोग हेतु सम्मानित किया . गया.जिला स्तरीय जैव विविधता क्विज प्रतियोगिता में गायत्री इंटरनेशनल अकादमी बाछनपुर प्रथम स्थान, आदर्श एकेडमी धामनोद द्वितीय स्थान एवं टैलेंट पब्लिक स्कूल हायर सेकेंडरी धार तृतीय स्थान पर रहे

जिला स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में प्रथम विजेता टीम का चयन राज्य स्तरीय मध्य प्रदेश जैव विविधता क्वीज कार्यक्रम 2025 (ऑनलाइन) दिनांक 12/12/2025 हेतु किया गया . राज्य स्तरीय जैव विविधता क्विज प्रतियोगिता 2025 ऑनलाइन में प्रथम,द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीमों को क्रमशः 30000 प्रथम पुरस्कार , 24000 द्वितीय पुरस्कार एवं 18000 तृतीय पुरस्कार की राशि के साथ साथ पदक एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

शासकीय भूमि पर जारी अवैध निर्माण

खजराना ताज़नगर में 50 करोड़ की शासकीय भूमि पर जारी अवैध निर्माण-प्रशासन के आदेशों की खुलेआम अवहेलना- दो माह बाद फिर शुरू हुआ निर्माण, क्षेत्र में गुस्सा

न्यायालय तहसीलदार तहसील जूनी इन्दौर, जिला – इंदौर

प्रति,

रफीक, मंसूर पिता असगर पटेल
निवासी - ग्राम खजराना, इंदौर

विषय :- मौके पर से अतिक्रमण हटाने बाबद।

आदित्य शर्मा-8224951278

इंदौर। खजराना क्षेत्र की ताजनगर कॉलोनी में स्थित लगभग 50 करोड़ रुपये मूल्य की शासकीय/सीलिंग प्रभावित भूमि पर एक बार फिर अवैध निर्माण और प्लॉटिंग के आरोप सामने आए हैं। स्थानीय नागरिकों के अनुसार प्रशासन द्वारा कार्रवाई और नोटिस दिए जाने के बाद भी संबंधित लोग दोबारा निर्माण प्रारंभ कर चुके हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भारी आक्रोश है। तहसीलदार न्यायालय, जूनी इंदौर ने 6/10/2021 को पत्र क्रमांक 1058/रीडर/2021 तथा 1059/रीडर/2021 के माध्यम से सर्वे नंबर 442/1 और 444 को शासकीय भूमि घोषित करते हुए खरीद-फरोख्त पर रोक लगाई थी। आदेश के बाद भूमि पर शासकीय बोर्ड लगाया गया था। लेकिन रात के समय दोबारा निर्माण कार्य शुरू होने की जानकारी सामने आई है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि दो माह पूर्व हुई तोड़फोड़ की कार्रवाई का कोई प्रभाव दिखाई नहीं दे रहा और प्रशासनिक आदेशों की खुलेआम अवहेलना हो रही है।

स्थानीय लोगों द्वारा बताए गए निर्माणकर्ता / शामिल व्यक्ति

(ये नाम नागरिकों द्वारा निर्माण कार्य में शामिल बताए गए हैं—इन पर किसी प्रकार का अपराध सिद्ध नहीं)

1. रानी पटेल
2. आजाद पटेल
3. अज़हर प्रधान
4. शकील खान
5. अनीश खान
6. सादिक उर्फ इमरान पंचर
7. यासीन कुरैशी (आजाद नगर)

क्षेत्रवासियों के अनुसार इन व्यक्तियों के माध्यम से प्लॉटिंग और निर्माण की गतिविधियों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

बोर्ड उखाड़े जाने और प्लॉट बेचने के आरोप

रहवासियों ने आरोप लगाया कि शासकीय बोर्ड हटाकर 3000–5000 रुपये प्रति वर्गफुट के हिसाब से प्लॉट दिखाकर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। यह भी आरोप है कि कुछ लोग बगीचे की जमीन एवं अन्य शासकीय हिस्सों पर भी निर्माण की कोशिश कर रहे हैं।

प्रशासन और नगर निगम पर गंभीर सवाल

"बार-बार शिकायतों के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही।"

"कुछ कर्मचारी शिकायतों को अनदेखा कर रहे हैं।"

"यदि अब भी कठोर कदम नहीं उठे तो पूरा क्षेत्र अवैध कॉलोनियों में बदल जाएगा।"

जनता की मांगः तत्काल प्रभाव से बड़ी कार्रवाई।

शासकीय भूमि का सीमांकन कर पुनः कब्जा मुक्त कराया जाए।

सभी अवैध निर्माण तत्काल रोके जाएँ।

संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच कर कार्रवाई की जाए।

क्षेत्र को अवैध कॉलोनियों से बचाया जाए।